



॥ अग्नि देव व्रत कथा ॥

अग्नि देव पूजा, जो कोई नर करे  
सुख संपत्ति धन धान्य से, जीवन सफल  
बनावे

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

## ॥ अग्नि देव व्रत कथा ॥

प्राचीन समय में एक नगर में एक निर्धन ब्राह्मण रहता था। वह अत्यंत धार्मिक और सत्यवादी था, किंतु उसके घर में सदैव धन और अन्न की कमी बनी रहती थी। परिवार अनेक कष्टों में जीवन व्यतीत कर रहा था।

एक दिन एक महात्मा उसके घर आए। ब्राह्मण ने श्रद्धा से उनका सत्कार किया। प्रसन्न होकर महात्मा ने कहा—

“हे ब्राह्मण! यदि तुम श्रद्धा और नियमपूर्वक अग्नि देव का व्रत और पूजन करोगे, तो तुम्हारे जीवन के कष्ट दूर हो जाएंगे।”

महात्मा की बात सुनकर ब्राह्मण ने रविवार के दिन व्रत रखने का संकल्प लिया। उसने प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण किए, घर में हवन कुंड स्थापित किया और घी, समिधा तथा हवन सामग्री से अग्नि देव की पूजा की।

पूजा के समय वह श्रद्धा से मंत्र जप करने लगा—

ॐ अग्नये नमः॥

फिर उसने प्रार्थना की—

“हे अग्निदेव!

आप यज्ञों के स्वामी और पवित्रता के स्वरूप हैं।

मेरे घर के दुख, दरिद्रता और भय को दूर करें।”

ब्राह्मण की सच्ची भक्ति से अग्नि देव प्रसन्न हुए। धीरे-धीरे उसके घर में सुख-समृद्धि आने लगी, अन्न और धन की कमी दूर हो गई तथा परिवार

में शांति स्थापित हो गई।

उस दिन से नगर के लोग भी श्रद्धा से अग्नि देव का व्रत करने लगे।

## व्रत का महत्व

घर और मन की शुद्धि  
नकारात्मक शक्तियों से रक्षा  
सुख-समृद्धि और आरोग्य प्राप्ति  
यज्ञ और पूजा का शुभ फल

## व्रत नियम

प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।  
सात्विक भोजन करें या उपवास रखें।  
हवन या दीप प्रज्वलित करें।  
“ॐ अग्नये नमः” मंत्र का जप करें।  
कथा सुनकर आरती करें और प्रसाद बाँटें।

## व्रत मंत्र

ॐ अग्नये नमः॥

Hargharpanditji

“PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR”